RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2021-23

पिघलता हिमालय

वर्ष 38 अंक 45 हल्द्वानी सम्वत् 2080 सोमवार 17 अप्रैल 2023 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिय,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

चुनाव से पहले तैयारी

कार्यालय प्रतिनिधि

आगामी चुनावों को लेकर नेताओं और पार्टियों के तेवर दिखाई देने लगे हैं। निकाय से लेकर लोकसभा तक के चुनाव में क्या रणनीति होगी वह तो बाद को पता चलेगा लेकिन अभी इतना साफ दिखाई दे रहा है सत्ता पक्ष की ताकत के साथ भाजपा पूरे प्रदेश को भगवा करता जा रहा है। इसके लिये संगठन की बराबर बैठकें और बड़े नेताओं का सम्पर्क जारी है। इसके अलावा माहौल बनाने के लिये कई तरह के आयोजन रैली, जुलूस रूप में दिखाई दे रहे हैं।

कांग्रेस की ओर से राहुल गांधी की राष्ट्रीय राजनीति के पीछे प्रदेश के नेता एकजुट होकर विपक्ष की भूमिका में हैं लेकिन वापसी के लिये पार्टी नेताओं को संयमित रहना होगा। पार्टी के अध्यक्ष करन माहरा और नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य और उपनेता प्रतिपक्ष भुवन कापड़ी बहुत सक्रिय हैं। लेकिन आने वाले दिनों में पार्टी के तेवर दिल्ली दरबार से ही तय होंगे क्योंकि प्रदेश में कांग्रेस के बड़े नेता एक-दूसरे की खुलेआम काट कर रहे हैं।

ऐसे में निकाय चुनाव की बात करें तो बहुत ही स्पष्ट है कि भाजपा अपनी रणनीति के साथ प्रत्याशी सूची घोषित कर देगी। कांग्रेस की ओर से भी सूची बनाई जायेगी लेकिन बहुत सारी सीटों को प्रत्याशियों से आपस में निपटने के लिये छोड़ दिया जायेगा जैसा की पहले भी हुआ है।

लोकसभा चुनाव के लिये भी भाजपा की ओर से लगभग नाम तय हैं बस उनकी घोषणा होनी होगी। ऐसे में कांग्रेस सहित यूकेडी, आप व अन्य दल क्या तैयारी करते हैं कुछ ही दिनों बाद बहुत कुछ दिखाई देने लगेगा। जनता का मूड भी तब समझ आयेगा।

भाजपा तैयार

भाजपा ने अपने संगठन ढांचे को जिस प्रकार से तैयार कर चुका है वह बहुत आगे की तैयारी लग रही है।

कांग्रेसी रास्ते

कांग्रेस संगठन द्वारा लगातार धार लगाई जा रही है लेकिन इसके नेता आपसी मुंहजोरी से पुनः गलती दोहरा रहे हैं।

खजान सक्रिय

कांग्रेसी नेता खजान गुड्डू गंगोलीहाट विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय हैं। राई आगर में उन्होंने नवरात्रि पर भूमिपूजन भी किया।

सावधान! कोरोना आया

कोरोना फिर से आ चुका है इसलिये सावधान रहें। इसके लिये स्वास्थ्य विभाग की ओर से चेतावनी दी जा चुकी है। भीड़भाड़ वाले इलाकों में मास्क लगाने और अन्य सावधानियों के लिये कहा गया है।

इस समय उत्तराखण्ड में भी इस प्रकार के मामले दिखाई देने से प्रशासन सतर्क हो गया है। नैनीताल सहित अन्य जनपदों में बुखार के मरीज बढ़ने के बाद से कोविट कन्ट्रोल रूप पर ड्यूटी बढ़ा दी गई है। राज्य की सीमाओं पर चैकिंग अभियान शुरु हो चुका है।

इस बार होली के बाद बुखार और खंरास की बीमारी से अस्पतालों में भीड़ लगने लगी थी। वह भी एक प्रकार का संक्रमण ही था, जो घातक नहीं था परन्तु खांसी-खुरम्म ठीक होने में कई दिन लग रहे थे। लेकिन अब कोरोना के लक्षण पाये जाने के बाद से सभी से अपील की जा रही है कि मास्क पहनें। सर्दी-बुखर के सिम्टोमैटिक मरीजों की रैपिड एंटीजन जाँच की जा रही है। कोविड संक्रमण मामले बढ़ने के बाद अस्पतालों में सैम्पलिंग को भी बढ़ा दिया गया है।

पूर्णागिरी यात्रियों की भीड़ को भी सावधान रहने को कहा गया है और जगबूढ़ा पुल पर बाहर से आने वाले यात्रियों की जाँच की जा रही है ताकि सब सुरक्षित रहें।

डीडीहाट में जनजाति आयोग उपाध्यक्ष गणेश मर्तोलिया का भव्य स्वागत

पि०हि०प्रतिनिधि

डीडीहाट। उत्तराखण्ड जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष गणेश सिंह मर्तोलिया के डीडीहाट आगमन पर जेएसएसएस जनजाति सामाजिक सेवा समिति द्वारा बाजे गाजे एवं पारम्परिक वेशभूषा में स्वागत किया। समारोह की अध्यक्षत भगवान सिंह टोलिया व मंच का संचालन पूरन सिंह टोलिया एवं नवरात्र सिंह रावत द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। जेएसएसएस के अध्यक्ष शिव मोहन सिंह मर्तोलिया एवं पूरन सिंह टोलिया द्वारा श्री मर्तोलिया का माला पहनाकर स्वागत किया गया।

स्थानीय पर्यटन आवास गृह हुई बैठक में स्थानीय लोग अपने बीच आयोग के उपाध्यक्ष पाकर अपार खुश हुए। साथ ही अपने विचारों को प्रकट कर समस्याओं से अवगत कराया गया। कहा कि जनजाति समुदाय द्वारा कार्य करने के लिए एक जन मिलन केन्द्र कमी खल रही थी। उक्त समुदाय द्वारा अपने प्रयासों से कुछ धन राशि आपस में जमा कर एवं श्रमदान द्वारा एक जन मिलन केन्द्र को बनवाया जाना है। भवन को बनवाने में वित्तीय कमी के कारण भवन का का निर्माण कार्य रुका पड़ा है। स्थानीय लोगों द्वारा आयोग के उपाध्यक्ष से निवेदन किया गया कि उक्त भवन का निर्माण कार्य पूरा करने के लिए सरकार से वित्त की व्यवस्था को कहेंगे।

आयोग के उपाध्यक्ष श्री मर्तोलिया द्वारा भी स्थानीय लोगों को आस्वस्त किया गया कि जनभावनाओं से शासन को अवगत कराया जायेगा और भवन निर्माण कार्य पूरा करवाने का प्रयास होगा। बैठक में राजि जनजाति पर भी चर्चा हुई। कहा कि एक टीम बनाकर क्षेत्र का भ्रमण करेगी। बैठक में पुष्कर सिंह पांगती, देवरानी टोलिया, पूजा जंगपांगी को भी सम्बोधित किया। संचालन नवीन टोलिया द्वारा किया गया।

मल्ला जोहार विकास समिति की बैठक

माइग्रेशन, खाद्यान्न, स्वस्थ्य, संचार, सिंचाई, कृषि, पशुपालन विभाग पर खरी-खरी सुनाई

मुनस्यारी। मल्ला जोहार विकास समिति की ब्लाक सभागार में माइग्रेशन (उत्क्रमण काल) के दौरान विभिन्न समस्याओं को लेकर सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक हुई। इसमें माइग्रेशन, खाद्यान्न, स्वास्थ्य, संचार, सिंचाई, कृषि, पशुपालन विभाग पर खरी-खरी सुनाई गयी।

श्रीराम सिंह धर्मशक्तू की अध्यक्षता में हुई बैठक में लोनिवि के कार्यों पर ही चर्चा हुई और कहा गया रडगाडी झूला पुल तक पैदल सड़क का सुधारीकरण होना है। माइग्रेशन जाते समय रास्तों के ऊपर नदी/नालों में बने पुलों की मरम्मत और पैदल सड़क जैसे रड़गारी झूला पुल से सुनी, बोग्डियार तक सुधारीकरण हो जिससे कि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो सके।

खाद्यान्न सामग्री पर काफी चर्चा हुई और उपस्थित जनों ने अपने विचारों को ऊँचे स्वर में रखा। कहा कि खाद्यान्न सामग्री मुनस्यारी से बुर्फू गोदाम में समय पूर्व पहुँचाया जाए, साथ ही समस्त परिवार जनों को 6 महिने का राशन एक साथ वितरित किया जाए। जैसे- गेहूँ, चावल, चीनी, इसके अतिरिक्त नमक, तेल, प्याज, मशाले अन्य आवश्यकीय सामान मुनस्यारी से खरीद कर खाद्यान्न विभाग अपने संसाधनों से बुर्फू में पहुँचाए उसके उपरान्त मुनस्यारी के मूल्यों आधारित माइग्रेशन परिवारों को

शेष पृष्ठ 2 पर

दानवीर जसुली लला की धर्मशालाओं का जीर्णोद्धार होगा

धारापानी, बजेटी, जौंठा गर्णा, बेरीनाग, मुनस्यारी के मल्ला घोरपट्टा, चरखम, सतगढ़ में हैं धर्मशालाएं

पिथौरागढ़। दानवीरांगना जसुली बूढ़ी शौक्याणी की ओर से बनाई गई धर्मशालाओं का जीर्णोद्धार होगा। सुनवाई हो रही है कि सरकार इनका उद्धार करेगी। वैसे तो जसुली लला की सैकड़ों धर्मशालाएं हैं लेकिन जनपद में कुछ खास धर्मशालों की बात करें तो धारापानी, बजेटी, जौंठा गणाई में तीन, बेरीनाग, मुनस्यारी के घोरपट्टा और चरखम, सतगढ़ में धर्मशालाएं हैं।

उल्लेखनीय है कि जसुली देवी की बनाई अधिकांश धर्मशालाओं जीर्णक्षीर्ण होती जा रही हैं या इनमें कब्जा किया जा रहा है। इन ऐतिहासिक धरोहरों को संरक्षित करने के लिये बार-बार आवाज उठाई जा रही है। रं कल्याण संगठन की ओर से प्रस्ताव दिया गया है। जसुली अमा के वंशज इसके लिये लगातार शासन प्रशासन से पत्राचार कर रहे हैं। पिघलता हिमालय अपने प्रतिवर्ष होने वाले आयोजन में इस बिन्दु पर विशेष रूप से सेमिनार करवाता है ताकि भावी पीढ़ी को सीमान्त क्षेत्र के इतिहास के साथ ही दानवीरांगना जसुली अमा के बारे में पता चल सके।

जसुली लला के वंशज फली सिंह दताल कहते हैं कि लला की बनाई यादें समाज की धरोहर हैं उन्हें संरक्षित करने से भविष्य में पता चल सकेगा कि पहाड़ में किस प्रकार के लोग थे, वह दानवीरांगना कैसी थी जिसने मानसरोवर यात्रियों, तीर्थ यात्रियों, विद्यार्थियों के पैदल आवागमन को देखते हुए जगह-जगह सुविधाजनक स्थान पर धर्मशालाएं बनाई। ब्रिटिश काल में कुमाऊँ कमिश्नर हैनरी रैमजे ने दांतू पहुँचकर अमा जसुली से भेंट की ओर और उन्हें धर्मशालाओं के लिये प्रेरित किया। उन लोगों का महान सोच था कि दुर्गम स्थानों पर जाने वाले यात्रियों को ठहरने के लिये स्थान मिल पाता था। पैदल यात्रियों को जगह-जगह इस प्रकार के धर्मशालाएं उपलब्ध थे लेकिन बाद के वर्षों में सुविधाएं बढ़ी लेकिन इन धरोहरों को भुला दिया गया। यहाँ तक कि इन पर कब्जा भी होने लगा है। यह भी बताते चलें कि कमिश्नर अरविन्द ह्यांकी ने इन धर्मशालाओं को संरक्षित करने के लिये कहा था। नैनीताल के डीएम धीराज गर्ब्याल ने भी इस बारे में रुचि ली और भवाली-अल्मोड़ा मार्ग पर धर्मशाला का जीर्णोद्धार हुआ है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

हल्द्वानी को फसाद में झौंकने वाले सावधान रहें

हल्द्वानी के भोटिया पड़ाव क्षेत्र के झण्डे वाले पार्क के सामने गली के भवन में धार्मिक गतिविधियों और मारपीट के मामले ने शहर में बेचैनी बढ़ा दी है। असल में पिछले कुछ समय से हल्द्वानी को फसाद में झौंकने की तैयारी चल रही है, इसे नाकाम होना चाहिये। किसी भी पक्ष के, कोई भी हुड़दंगी नुसकानदायक होते हैं। यदि कोई गड़बड़ होती है तो उत्तराखण्ड के इस बड़े शहर का असर बहुत ज्यादा होगा।

ताजा मामले में सिटी मजिस्ट्रेट का कहना है कि नजूल भूमि पर अवैध निर्माण किया गया था। क्षेत्र के लोगों के अनुसार यहाँ पहले पीजी था। बाद में बेसमेंट में धार्मिक स्थल का रूप दे दिया गया। मौके पर लोगों के नमाज पढ़ने के सबूत मिले हैं। बेसमेंट में मरम्मत का काम चल रहा था। कागजात नहीं दिखाने पर भवन सील कर दिया गया। भवन मालिक जफर सिद्दकी को नोटिस दिया गया है। नगर निगम से नजूल की खाली पड़ी भूमि पर कब्जा लेने को कहा गया है।

इसी प्रकरण पर काफी समय से दो पक्षों में लपेट है। धार्मिक गुरु से मारपीट का आरोप लगा रात्रि में कोतवाली घेराव का हंगामा हल्द्वानी में हुआ। आईजी और शहर इमाम के समझाने पर भी लोग नहीं मान रहे थे। बाद में एक नामजद व्यक्ति समेत ३०-४० लोगों के खिलाफ मुकदमा होने के बाद प्रदर्शन कर रही भीड़ हटी। रात दो बजे तक करीब हजार लोग कोतवाली को घेर खड़ी हो गई थी। हाईवे पर इस प्रकार का उबाल बता रहा है कि अन्दर ही अन्दर सुलगने वाले कम नहीं हैं। भीड़ को देखते हुए चार थानों से पुलिस बुलानी पड़ी थी। अगले दिन प्रशासन ने दो दौर की वार्ता कर मामले को नियंत्रण में किया। लेकिन पड़ चुकी गांठ खुलना आसान नहीं। विवादित भवन प्रकरण में एक के बाद एक रिपोर्ट दर्ज होने लगी। सैकड़ों अज्ञात लोगों के खिलाफ भी मामला दर्ज करवाया गया है। विवादित भवन में अवैध मस्जिद संचालन का आरोप भी लगाते हुए एक महिला ने तो मारपीट तक का आरोप लगाया है।

पूरे मामले की पड़ताल करने पर पता चल रहा है कि यह विवाद कुछ साल से जारी है। मौके की जमीन पर अपना दबदबा बनाने का खेल साम्प्रदायिक रंग में रंगने की कोशिश हुई है। इस प्रकार के किसी भी प्रकरण में सीधे से जाँच कर दोषियों को दण्ड ही विधान है। समझने की बात है कि किसी दो लोगों के झगड़े में पक्ष बनकर समाज के लोग क्यों कूदें? यदि कूद रहे हैं तो इसका मतलब उन्हें पुलिस-प्रशासन पर भरोसा नहीं हो रहा है। इसलिये जरूरी हो गया है कि पुलिस व प्रशासन पूरी स्थिति को समझते हुए कार्रवाई करे। हल्द्वानी को फसाद में झौंकने वाले सावधान रहें। ऐसा कोई प्रयास न किया जाए जिससे समाज में कड़वाहट हो। अपनी गलती सुधारने में कोई हानि नहीं है। समाज बनाने के लिये क्षमा और त्याग की भावना होनी चाहिये। क्षमा और त्याग को कमजोरी भी न समझ लिया जाए, इसके बाद भी जो गुण्डई करता हो उसे सख्त सजा मिले।

खुलेआम लूट : पुस्तक और ड्रेस विक्रेताओं की गैंग

बच्चों का शिक्षा सत्र शुरु हो चुका लेकिन शिक्षा के नाम पर हो रही खुली लूट को नहीं रोका जा रहा है। कहने को सरकार का तन्त्र नई शिक्षा नीति सहित तमाम प्रकार के फकास कर रहा है परन्तु पुस्तक और ड्रेस के नाम पर हो रही खुलेआम लूट का सब देख रहे हैं। हाल इतना बेहाल है कि स्कूलों की ओर से बता दिया जाता है कि फलां-फलां दुकान में कापी-किताब-ड्रेस मिल रही हैं। दुकान विशेष से ही सामान लेने की मजबूरी अभिभावक की इसलिये होती है कि न जाने कौन सी चीज कम हो जाए और उनके बच्चे को स्कूल में परेशान होना पड़े। ऐसे में मनमाने दामों की कापी-किताब-ड्रेस बेचे जाते हैं। पुस्तक और ड्रेस विक्रेताओं के ऐसे गैंग शहरों से लेकर कस्बों, गाँवों तक फैलते जा रहे हैं।

शिक्षा मंत्री बार-बार शिक्षा व्यवस्था में सुधार व चौकस की बात करते हैं लेकिन जो कुछ हो रहा है उसे क्या कहा जाए? नर्सरी कक्षा से लेकर ऊपर की कक्षाओं की पुस्तकों में जिस प्रकार की गोलमोल हो रही है वह मजबूर माता-पिता को लूटने के अलावा कुछ नहीं है। उन अभिभावकों पर क्या गुजरती है जो दिन-रात मेहनत-मजदूरी कर अपने बच्चों को बेहतर पढ़ाई करवाना चाहते हैं लेकिन शिक्षा के बाजार में वह लुटते-पिटते हैं। प्रवेश के लिये मोटी धनराशि देने के बाद से वह ऐसे चक्रव्यूह में फंस जाते हैं कि जिस प्रकार का शुल्क मांगा जाता है वह देने को मजबूर होते हैं। हो रही लूट के लिये कई संगठनों ने आवाज भी उठाई है लेकिन यह लूट बहुत चतुराई से हो रही है। इस व्यवस्था को इतनी आसानी से नहीं सुधारा जा सकता है।

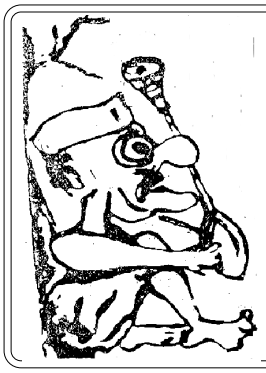

फसक

दाज्यू, कठिन समय है। ठगबाजारी हो रही ठैरी

जिसको जहाँ मौका मिला वहीं लिपाई-घिसाई कर रहा है बल

दाज्यू, कलजुग अपने चरम पर है। कठिन समय है। ठगबाजारी हो रही ठैरी। जिधर देखो शहर-गाँव सब दौड़ते दिखाई दे रहे हैं। हल्दूचौड़ में चौकी पुलिस के पास अटल उत्कृष्ट राजकीय इण्टर कालेज के बाहरी परिसर में कब्जा किया जा रहा है। स्थानीय लोग कई बार शिकायत कर चुके हैं लेकिन पुलिस कह रही है- मामला उनके संज्ञान में नहीं है। दाज्यू, जिसको जहाँ मौका मिला वहीं लिपाई-घिसाई कर रहा है बल।

रामनगर में जी-20 का महासम्मेलन कब के निपट चुका लेकिन खुशबू अभी तक फैली हुई है बल। तभी तो जी-20 के लिये सजाई गई दीवारों पर विज्ञापन पोस्टर चस्पा कर दिये गये। सजाई गई दीवारों पर पोस्टर की शिकायत मिलते ही प्रशासन ने डण्डा उठा लिया। दाज्यू, चकाचक दीवार पर पोस्टर.....डण्डा तो उठाना ही था। यह तो जी-20 का मामला है वरना तो कौन क्या करने जा रहा है। हमारा पड़ोसी शहर पोस्टरों से भर चुका है, होर्डिंगों में सारे नेता दिखाई दे रहे हैं। शहर के छंटे-छंटाए भी होर्डिंग में दिखने वाले ठैरे। उत्तराखण्ड जन अधिकार संगठन ने पुलिस-प्रशासन को ज्ञापन देखकर रामनगर व आसपास इलाकों में नशे के धन्धे पर रोक लगाने की मांग की है। लोग बहुत चिन्तित हैं कि विद्यार्थी नशे की गिरफ्त में आ रहे हैं। दाज्यू, हम तो कह रहे हैं कि एक सम्मेलन और हो जाए, उसमें नशेड़ियों का चुट्टान हो। जो बच्चों को नशा बांट रहे हैं उनके वहाँ पुताई करवाई जाए। पूर्णागिरी मेले में जा रहे श्रद्धालुओं के खुले में शौच करने पर एई को नोटिस दिया गया है। दाज्यू, श्रद्धालु ठैरे, जहाँ मौका मिला.....लम्बा रास्ता हुआ। उन्हें क्या पता कहाँ पीने का पानी है, कहाँ मल-मूत्र का चयनित स्थान, कहाँ सस्ता ढाबा, कहाँ धर्मशाला। भाजपा नेता मुनीर खान ने आरोप लगाया था कि कैनाल मेला क्षेत्र में बने शौचालयों के उपयोग के लिये श्रद्धालु से दस रुपये वसूले जा रहे हैं। इस कारण बड़ी संख्या में लोग खुले में शौच कर रहे हैं। एसडीएम ने मेला क्षेत्र में गन्दगी को गम्भीरता से लिया और शारदा नहर बरेली के हेडवर्क्स खण्ड बनबसा के सहायक अभियन्ता को दण्ड प्रक्रिया सहित सीआरपीसी की धारा 133 के अन्तर्गत नोटिस भेजा। दाज्यू, जिसको जहाँ मौका मिला वहीं लिपाई-घिसाई कर रहा है बल।

दाज्यू, क्या करिएगा? उत्तराखण्ड एई भर्ती परीक्षा भी रद्द हो चुकी है। इस परीक्षा के मामले में हरिद्वार पुलिस ने 9 नकलची पकड़े हैं। सुनने में आया है कि परीक्षा अगस्त में कराई जायेगी। हल्दूचौड़ डिग्री कालेज के उपसचिव ने कालेज कार्यक्रम में फ्लेक्स को लेकर सचिव पर कैंची से हमला कर दिया। दाज्यू, ये छात्र संघ में गड़बड़ पहले से होती रहती है बल। जवानी ठैरी, दीमाग बरमाण्ड में रहने वाला हुआ। लगता है सब कुछ मैं ही मैं हूँ। 'कौन गुरु कौन चेला? दुनिया में हूँ अकेला' गुनगुनाते हुए लतियाते बतियाते सालभर कट जाने वाला ठैरा। हल्द्वानी के मेडिकल कालेज में भी तो गजबज लगी ठैरी। जूनियर-सीनियर..... पता नहीं क्या होता रहता हे। रैगिंगे प्रकरण चलते रहते हैं। ये डाक्टर बनने आ रहे हैं या लफन्दर, समझ क्यों नहीं आता है?

दाज्यू, गणतन्त्र दिवस परेड में प्रथम स्थान पर रही उत्तराखण्ड की झांकी 'मानसखण्ड' को पूरे प्रदेश में घुमाया जा रहा है। ये सब भी जोरदार ही ठैरा। हमारी झांकी पहले नम्बर पर आई है तो गाँव-गाँव दर्शन भी हों। मैच जीतकर कप लेकर हमारे गाँव की टीम भी आ चुकी है। विरुवा और बुतका सीटी बजाकर खूब नाच रहे हैं। उधर तराई में खालिस्तान समर्थक अमृतपाल की ढूंढ में पुलिस व्यस्त है। खटीमा और सितारगंज में पुलिस ने सतर्कता बढ़ा दी है। अमृतपाल के कभी नेपाल तो कभी यूपी चले जाने की आशंका भी जताई जा रही है।

बहुत कठिन समय है। काशीपुर के एक स्कूल में कक्षा 8 और 9 के छात्रों ने सामूहिक रूप से फेल करने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। कुछ न कुछ लगा ठैरा दुनियादारी में। वैसे भी अब अब गन्ने का सर्वे होना है। गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग आयुक्त हंसा दत्त पाण्डे ने राज्य में गन्ना पेराई सत्र 2023-24 के लिये गन्ना सर्वेक्षण नीति जारी की है। क्रिकेट एसोसिएशन उत्तराखण्ड की शिकायत प्रधानमंत्री मोदी तक पहुँचा दी गई है। पूर्व दर्जाधारी मंत्री उषा नेगी ने लिखित शिकायत में महिला क्रिकेटरों के उत्पीड़न का मुद्दा उठाया है। दाज्यू, ये खेल-खिलाड़ी में यौन शोषण बहुत होता है बल। प्रेक्टिस कराने वाले दादा लोग घूमने वाले ठैरे। इनकी निगरानी जरूरी है।

बीमा कर्मचारी भी प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका कहना है- 'केन्द्र सरकार जन विरोधी नीतियों से बीमा क्षेत्र को अस्थिर कर रही है।' दाज्यू, हमें क्या पता क्या चल रहा है। बचपन से ही सुना है एलआईसी। एक जमाने में एलआईसी का बड़ा रुतवा होता था, मारे एलआईसी खुलवाना और किस्तों को भरने वाला रौब में होता था। एक बार हमने भी खुलवाई तीन हजार रुपये साल की एलआईसी। तीसरे साल किस्त के लिये पैसे ही नहीं हुए। दाज्यू, हम तो तभी अस्थिर हो गये थे। अब सरकार क्या कर रही है और साहब लोग क्या तल रहे हैं हमें समझने में समय लग जाता है। लोग शेयर मार्केट में भी लगा रहे हैं बल। मौके की बात है लिपाई-घिसाई अपनी-अपनी।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

मल्ला जोहार विकास समिति की बैठक.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

वितरण करे। सरकार द्वारा जो मुफ्त खाद्यान्न सामग्री मिलती है उसे भी समय पूर्व दिया जाए। बैठक में कहा गया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मुनस्यारी से फारमेसिस्ट प्रत्येक ग्रामों में भ्रमण करें। साथ ही जरूरी दवाइयां उपलब्ध कराई जाएं। बुर्फू में एएनएम की नियुक्ति की जाए। इसी प्रकार संचार के लिये मल्ला जोहार सीमान्त क्षेत्र में मोबाइल टॉवर स्थापित हो। ताकि संचार व्यवस्था सुचारू रूप से मिले। इसके लिये कई वर्षों से अनुरोध किया जा रहा है लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। वर्तमान समय पन 6 महीने के लिये सेटेलाईट फोन समय पूर्व प्रत्येक गाँवों में उपलब्ध कराए जाएं।

बैठक में कहा गया कि सिंचाई व्यवस्था जिन गाँवों में हो सकती है की जाए जिससे काश्तकारों को खेतीबाड़ी व शाकभाजी के काम में कठिनाई न हो। सब्जी, मूली, गोभी, गाजर, मटर, कद्दू आदि के बीज व पौंध उपलब्ध कराई जाए। साथ ही माइग्रेशन अवधि के दौरान अधिकारियों का भ्रमण हो।

कहा गया कि वर्तमान समय में सरकार द्वारा अध्यादेश पारित किया गया है कि जो सीमान्त गाँव पहले राजस्व विभाग के अन्तर्गत आते थे उन सभी गाँवों को पुलिस विभाग के अन्तर्गत कानून व्यवस्था के लिये तैनात किया जाए। इस पर अमल हो। मिलम जनजाति भेषेज की भूमि में आर्मी कुमाऊँ क्वार्टर का कैम्प स्थापित करने हेतु भूमि को हस्तान्तरित करने की प्रक्रिया चल रही है। आर्मी ने मिलम में भूमिधरों से अनापत्ति लिए नाप भूमि पर वैरक बनाए हैं, इसके लिये स्थानीय लोगों को विश्वास में लिया जाए। सीमान्तवासीस आर्मी के साथ शुरु से रहे हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

ऐसा भी

बिच्छू घास की उपयोगिता पर काम किया जाना बांकी है

डॉ.हरीश चन्द्र अन्डोला

वैसे तो हिमालय क्षेत्रों में अनगिनत जड़ी बूटियों का भण्डार है, हिमालय के उत्तराखण्ड में बसा पौराणिक मानसखण्ड कुमाऊँ मण्डल तथा केदारखण्ड गढ़वाल मण्डल जो अब उत्तराखण्ड के नाम से जाना जाता है, अपनी प्राकृतिक वन सम्पदा के लिये देश-विदेश में सदियों से प्रसिद्ध रहा है। रमणीक भूभाग में पाई जाने वाली हर वनस्पति का मानव के लिये विशेष महत्व एवं उपयोग है. इतिहास गवाह है कि यहां कि समस्त वनस्पति जड़ी-बूटियां प्राचीन काल से ही मानव तथा जीव-जन्तुओं की सेवा करती आ रही है। सिंसुणा बिच्छू घास को संस्कृत में वृश्चिक, हिन्दी में बिच्छू घास, बिच्छू पान एवं बिच्छू बूटी कहते हैं। सिंसुणा को गढ़वाल में कनाली-झिरकंडाली, अंग्रेजी में नीटिल प्लांट तथा लेटिन में अर्टिका कहते हैं। उत्तराखण्ड में बटकुल अर्टकिसी के अन्तर्गत बिच्छू की कुल तीन प्रजातियां पायी जाती हैं। अर्टिका पारविफिलौरा यह 2000 फीट से 12000 फीट तक के भूभाग में पायी जाती है। इसका पौधा चार से छः फुट तक का होता है। इसमें पुष्प फरवरी से जुलाय तक खिलते हैं। अर्टिका डायोईका यह 6000 फीट से 10000 फीट तक के भूभाग में बंजर जगह में पाया जाता है। इसकी औसत ऊँचाई तीन से छः फुट तक होती है, इसमें पुष्प जुलाय-अगस्त में खिलते हैं। अर्टिका हायपरशेरिया 15000 से 17000 फीट के भूभाग पर तिब्बत से लगी सीमा में पाया जाता है। इसमें फूल अगस्त में खिलते हैं। इसी कुल की एक प्रजाति फ्रांसीसी वनस्पति शास्त्री के नाम पर गिरारडियाना-हिटरोफायला दूसरी तरह की बिच्छू घास है। यह 4000 फीट से 9000 फीट तक के नमी वाले भूभाग में छायादार जगहों में बहुतायत से पायी जाती है। इसके पौधे चार से छः फीट के होते हैं। इनमें पुष्प जुलाई-अगस्त में खिलते हैं। इसको हिन्दी में अलबिछुआ चीचड़, नेपाली में डाली, मराठी में मांसी खजानी व पंजाबी में अजल-धवल कहते हैं। इसके पत्ते सिर दर्द में और इसका क्वाथ बुखार में दिया जाता है। कनाली-सिंसूणा में फार्मिक एसिड, लैसोविन एक लसदार पदार्थ, नमक अमोनिया, कार्बोनिक ऐसिड और जंलास होता है। संग्राहक-शामक-संकाचक-रक्त विकार नाशक-मूत्रल तथा रक्त पित्त हर है। इसकी सूखी पत्ती का चूर्ण चार रत्ती मात्र आग में डाल धुंए को सूंघने तथा नासिका द्वारा अन्दर खींचने से श्वास एवं फुप्फफस रोगों में लाभ होता है। स्थानीय लोग इसके रेसे से रस्सी, थैले, कुथले तथा पहनने हेतु वस्त्र बनाते हैं। इसके बीजों से ये लोग अपना खाना बनाने हेतु तेल प्राप्त करते हैं। बिच्छू घास का उपयोग आर्युवेदिक, युनानी, ऐलोपैथी तथा होम्योपैथी की बहुमूल्य औषधि बनाने में काम आता है। विदेशों में इसके कोमल पत्तों से हर्बल टी बनायी जाती है।

होम्योपैथी में योरोपीय जात अर्टिका वुरैन्स से मदर टिंचर तैयार किया जाता है। इसका उपयोग जरायु से रक्तश्राव होना, स्वेत प्रदर में खुजलाहट, डसने का सा दर्द, स्तन से दूध निकलते रहना, स्तनों में कड़ापन अथवा सूजन आ जाने एवं वात रोगों में होम्योपैथी की दवा 30 से 200 की शक्ती में देने से लाभ होता है। इस बूटी से तैयार हैयर-टानिक बालों को गिरने से रोकता है और उनको चमकीला एवं मुलायम बनाता है। जब उत्तराखण्ड में ग्रीष्मकाल में चारे की कमी होती है तो उत्तराखण्ड की कर्मठ महिला अपने दुधारु पशुओं को बिच्छू घास खिलाती हैं इससे दुधारु पशु ज्यादा दूध देते हैं।

जंगली पौधा बिच्छू घास को छूने से ही करंट जैसा अनुभव होता है, लेकिन यह पौधा औषधीय गुणों से भरपूर है कई बीमारियों के साथ ही शरीर को तन्दरूस्त रखने में भी वरदान साबित होता है। उत्तराखण्ड के हिमालयी इलाको में पाये जाने वाले इस पौधे का तना-पत्ती से लेकर जड़ तक हर हाल में काम आता है।

पहाड़ों में कंडाली के नाम से विख्यात इस घास को पहले सब्जी बनाने से लेकर घरेलु औषधीयों के रूप में प्रयोग में लाया जाता था, लेकिन एंटीबायोटिक दवाईयों के इस दौर में इस घास की उपयोगिता बिल्कुल शून्य हो चुकी। भले ही पूर्व में तत्कालिक सरकार में मुख्यमंत्री ने भांग और कंडाली (बिच्छू घास) की खेती को बढ़ावा देने के अनको घोषणायें तो की हैं लेकिन परिणाम किर ही साबित रहा। जबकि वर्तमान मुख्यमंत्री में कई बार इसकी उपयोगिता को लेकर कई योजनायें शुरू करने की बातें कह चुके हैं धरातल पर अब तक ये योजनायें नहीं दरअसल बिच्छू घास एक प्रकार की बारहमासी जंगली जड़ी-बूटी है, जिसे अक्सर खरपतवार या बेकार पौधा समझा जाता है। लेकिन अपने गुणों के कारण यह विभिन्न प्रकार के अध्ययनों का विषय बन चुका है। यह मुख्य रूप से हमारे लिए एंटीआक्सीडेंट का काम करता है। इसका हर भाग उपयोगी है।

अवसर

नौ साल बाद उत्तराखण्ड भाषा संस्थान की बैठक, साहित्य गौरव सम्मान की घोषणा

देहरादून। उत्तराखण्ड भाषा संस्थान की करीब नौ साल बाद बैठक हुई। सचिवालय में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में हमारी लोक भाषाएं एवं बोलियां हमारी पहचान व गौरव हैं। सरकार स्थानीय भाषाओं, बोलियों व संस्कृति के संरक्षण के लिये निरन्तर प्रयासरत है।

सीएम ने वर्ष 2022-23 में राज्य सरकार की ओर से प्रथम बार लोक भाषाओं व लोक साहित्य में कुमाउंनी, गढ़वाली व अन्य उत्तराखण्डी बोलियों व उपबोलियों, पंजाबी व उर्दू में दीर्घकालीन उत्कृष्ट साहित्य सृजन व अनवरत साहित्य सेवा तथा हिन्दी में उत्कृष्ट महाकाव्य खण्डकाव्य रचना, काव्य रचना, कथा साहित्य व अन्य गद्य विधाओं के यि प्रतिवर्ष उत्तराखण्ड गौरव सम्मान प्रदान करने की घोषणा की। इसके साथ ही गढ़वाली, कुमाउंनी व जौनसारी तीन लोक भाषाओं तथा हिन्दी भाषा में 8 नवोदित उदयीमान लेखकों को प्रतिवर्ष सम्मानित किया जायेगा। आगामी मई माह में भव्य समारोह आयोजित कर उत्कृष्ट साहित्यकारों को उक्त पुरस्कारों से सम्मानित किया जायेगा।

बताया गया है कि भाषा संस्थान ऐसे रचनाकारों, जो अर्थाभाव के कारण अपनी पुस्तकों का प्रकाशन नहीं कर पाते हैं, उन्हें आर्थिक सहायता के रूप में आंशिक अनुदान देगी। इसकी स्वीकृति हो चुकी है। राज्य के प्रत्येक जनपद में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय भाषा सम्मेलन आयोजित होंगे। यह भाषा संस्थान की बहुआयामी योजना होगी जिसमें शोध पत्रों का वाचन, भाषा सम्बन्धी विचार विनिमय, साहित्यिक शोभा यात्रा, लोक भाषा सम्मेलन आदि कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

बैठक में उत्तराखण्ड भाषा संस्थान द्वारा साहित्यिक एवं शोध पत्रिकाओं के प्रकाशन पर भी सहमति बनी। साथ ही लोक भाषाओं के मानवीकरण हेतु कार्यशालाओं व प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन हेतु भी स्वीकृति दी गई। इसी प्रकार संस्थान द्वारा राज्य में जनपद तथा राज्यस्तरीय भाषायी प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। प्रत्येक जिले के एक प्राथमिक विद्यालय में डिजिटल ई-पुस्तकालय होगा। राज्य में नेशनल बुक ट्रस्ट के साथ मिलकर पुस्तक मेले का आयोजन करने व व्याख्यान मालाओं को भी कहा गया।

ज्योतिष की बातें - 122

21 अप्रैल 2023 को बुध मेष राशि में वक्री हो जाएगा। अतः अगले 25 दिन बुध ग्रह से प्राप्त हो रहे शुभाशुभ फल अब प्रबल रूप से प्राप्त होंगे।
22 अप्रैल 2023 को गुरु स्वराशि मीन को छोड़कर मित्रराशि मेष में प्रवेश करेगा। वहाँ पर लगभग एक वर्ष 1 मई 2024 तक रहेगा। इस अवधि में शनि की पापदृष्टि गुरु पर रहेगी, साथ ही नवम्बर 2023 तक लगभग सात महीने राहु से युति भी रहेगी। अतः गुरु निर्बल रहने के कारण शुभ फलों की अधिक आशा नहीं की जा सकती। गुरु धन-समृद्धि, शालीनता, विवाह, पुत्रलाभ, उच्च शिक्षा, धर्म परायणता, अध्यात्म, संस्कृति आदि का कारक होता है। फलदीपिका के अनुसार गुरु दूसरे, पांचवें, सातवें, नवमें और ग्यारहवें स्थान पर शुभफल प्रदान करता है। अतः अगले एक वर्ष गुरु अपने कारक विषयों में मीन, धनु, तुला, सिंह व मिथुन राशि के जातकों को अल्प मात्रा में शुभ फल प्रदान करेगा। राशि के अनुसार फल इस प्रकार प्राप्त होने की सम्भावना रहेगी। मेष- अज्ञात भय, मीन- धनलाभ, कुम्भ- भाइयों से विरोध, मकर- माता को स्वास्थ्य कष्ट, धनु- पुत्रलाभ, वृश्चिक- शत्रु कष्ट, तुला- दाम्पत्य सुख, कन्या- स्वास्थ्य कष्ट, सिंह- धर्म अध्यात्म में रुचि, कर्क- धन हानि, मिथुन- यश प्राप्ति, वृषभ- अनपेक्षित व्यय। अक्षय तृतीया- वैशाख शुक्लपक्ष तृतीय पूर्वाह्नव्यापिनी तिथि में अक्षय तृतीया का पर्व मनाया जाता है। अतः शनिवार 22 अप्रैल 2023 को अक्षय तृतीया का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन किया गया दान-पुण्य अक्षय फल प्रदान करता है ।
शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद

सम्यक विचार- 13

वैरायटी का जंजाल

यदि कोई पूछे कि दिल्ली से भोपाल का किराया कितना है तो यह अब सरल शब्दों में बताया जाना सम्भवन नहीं है। क्योंकि सुविधाओं की दृष्टि से और ट्रेनों की गति की दृष्टि से बहुत वैरायटी हो गई हैं। सेकंड क्लास किराया, स्लीपर, एसी इकोनॉमी, एसी चेयरकार, एसी एग्जीक्यूटिव चेयरकार, एसी थ्री टियर, एसी टू टियर, एसी फर्स्ट क्लास आदि आदि।
आधार किराये की साथ-साथ विभिन्न प्रकार की चार्जेज भी अलग-अलग हैं। इस समय 1000 किलोमीटर की यात्रा का किराया 273 रु. से शुरु होकर 4000 रु. तक है। इसमें लगभग 20-25 वैरायटी हैं जो कि किसी को भी याद रखना बहुत मुश्किल है। गति के हिसाब से भी अलग-अलग किराया है। साधारण मैसेंजर ट्रेन/एक्सप्रेस, सम्पर्क क्रान्ति, हमसफर, महामना, गरीब रथ, दुरन्तो, राजधानी, शताब्दी, तेजस, वन्दे भारत, गतिमान आदि आरि।
प्रत्येक ट्रेन का, हर क्लास का किराया अलग-अलग हे। अब तो स्थिति यह है कि किसी एक ट्रेन का टिकट लेकर दूसरी ट्रेन से यात्रा नहीं कर सकते।
मेरे विचार से इतनी अधिक वैरायटी नहीं होना चाहिये। इससे आम आदमी का जीवन जटिल होता है। सिस्टम को सरल करना चाहिए। सुविधाओं की दृष्टि से केवल तीन ही कैटेगरी होनी चाहिए- थर्ड क्लास, सेकण्ड क्लास और फर्स्ट क्लास। ट्रेन की गति के आधार पर भी अधिकतम तीन ही कैटेगरी होनी चाहिए- साधारण, फास्ट और सुपरफास्ट। इससे सेकंड क्लास का सुपरफास्ट का टिकट लेकर व्यक्ति किसी भी ट्रेन से सेकण्ड क्लास में यात्रा कर सकेगा। इसी प्रकार की वैरायटी की समस्या अन्य क्षेत्रों में भी है जैसे- बिजली का बिल, मोबाइल रिचार्ज, बैंक इंटरनेट आदि आदि। सिस्टम की जटिलता को समाप्त कर सरलता की ओर बढ़ना चाहिए।

-सरल

हेमकुंड साहिब के कपाट २० मई को खुलेंगे

चमोली। विश्व में सबसे अधिक ऊँचाई पर स्थित पवित्र गुरुद्वारा हेमकुण्ड साहिब के कपाट इस वर्ष 20 मई को खुलेंगे। हेमकुण्ड साहिब प्रबन्धन न्यास के अध्यक्ष नरेन्द्रजीत सिंह बिन्द्रा ने बताया कि इस दिन से श्रद्धालु दर्शन कर सकेंगे। श्री बिन्द्रा ने प्रदेश के मुख्य सचिव डॉ. सुखबीर सिंह सन्धु से मुलाकात के बाद बताया कि हेमकुण्ड साहिब के यात्र मार्गों में अत्यधिक मात्रा में जमी बर्फ को हटाने का काम सेना के जवान शुरु करेंगे। बताते चलें कि दसवें गुरु गोविन्द सिंह की तपस्थली माने जाने वाले हेमकुण्ड साहिब में 17 किमी पैदल चल कर पहुँचते हैं।

जीने का अर्थ

पथिक तेरे पथ पर कई नजारे आयेंगे
फूल और शूल दोनों राहों पर बिछ जायेंगे
तू फूल चुनता है या शूल!
तुझे यह खुद ही तय करना होगा
ऐश्वर्य भरा जीवन या
तूफानों से लड़ना होगा।
अकेला चलना है कोई साथ न निभायेगा
तेरा चुनाव ही तुझे जीने का
सही अर्थ सिखायेगा!

-रेनू कपूर
गाजियाबाद

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

मल्लिकार्जुन मंदिर कॉरिडोर में शामिल किया जाए

१८२२ में तत्कालीन राजा महेन्द्र पाल द्वितीय ने इस मंदिर का निर्माण कराया था

अस्कोट उत्तराखण्ड सांस्कृतिक मंच अस्कोट ने प्रसिद्ध मल्लिकार्जुन महादेव मन्दिर को भी मानसखण्ड कॉरिडोर योजना में शामिल करने की मांग की है। मंच का कहना है कि इस पुरातन मन्दिर का कायाकल्प होने से श्रद्धालुओं को इसके दर्शन का लाभ तो मिलेगा ही, सीमान्त क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

मंच के अध्यक्ष गोविन्द सिंह भण्डारी ने बताया कि कत्यूर वंशीय पाल राजाओं की राजधानी रहे अस्कोट क्षेत्र के अगलेख नामक पहाड़ी की चोटी पर मल्लिकार्जुन मन्दिर स्थित है। इस मन्दिर की मान्यता नेपाल में भी है। नेपाल के लोगों के लिये यह प्रमुख धार्मिक स्थल है।

वर्ष 1822 में तत्कालीन राजा महेन्द्र पाल द्वितीय ने इस मन्दिर का निर्माण करवाया था। मन्दिर में स्थित स्वयं प्रस्फुटित शिवलिंग भगवान शिव के द्वादश ज्योर्तिलिंगों में से एक मल्लिकार्जुन का ही अंश माना जाता है। 1962 से पहले तक अस्कोट भी कैलास मानसरोवर यात्रा का एक पड़ाव हुआ करता था।

उस दौर में इस मन्दिर के दर्शन करने के बाद ही आगे की यात्रा पर लोग जाते थे। यहाँ से पूरब दिशा में भारत-नेपाल सीमा को रेखांकित करती सदानीरा महाकाली नदी के मनोहारी दृश्य, उत्तर में हिमाच्छादित पर्वत श्रृंखलाएं, दक्षिण में तीतरी-बगड़ीहाट-गर्खा के हरे-भरे खलिहान और पश्चिम में ऐतिहासिक नगरी अस्कोट का विहंगम दृश्य दिखाई देता है। सीमा पार नेपाल में उक्कू ग्राम को जाते हुए किसी विशाल मन्दिर के खण्डहर के निशान सुरक्षित हैं। वह भी मल्लिकार्जुन का ही मन्दिर था, लोग आज भी उस स्थान पर भी दिया जलाते हैं।

पेंशनर्स के गोल्डन कार्ड के लिये धन कटौती क्यों?

एसोसिएशन की बैठक में कटौती की गई राशि को वापस करने की मांग की गई

नैनीताल। राजकीय पेंशनर्स कल्याण एसोसिएशन की बैठक में विधायक सरिता आर्य व पालिका अध्यक्ष सचिन नेगी द्वारा करीब पाँच माह पूर्व की गई घोषणा पर अब तक कार्रवाई न होने पर शीघ्र जन प्रतिनिधियों से मिलने का निर्णय लिया गया। बैठक में पेंशनर्स के गोल्डन कार्ड से जबरन धनराशि कटौती पर रोष व्यक्त करते हुए कटौती की गई राशि को वापस करने की मांग की गई।

एसोसिएशन के उपाध्यक्ष मोहन सिंह सयाना की अध्यता में हुई बैठक में वरिष्ठ सदस्य जी.सी.उप्रेती ने कहा कि 14 नवम्बर 2022 को एसोसिएशन के वार्षिक अधिवेशन में विधायक सरिता आर्य ने पेंशनर्स एसोसिएशन को आर्थिक अनुदान देने व पालिकाध्यक्ष सचिन नेगी ने सभाकक्ष उपलब्ध कराने की घोषणा की थी। जिस पर अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। इस पर तय किया गया कि शीघ्र ही एक शिष्टमण्डल इन जन प्रतिनिधियों से मिलेगा और उनके द्वारा की गई घोषणाओं की याद दिलायेगा कि उन्होंने जो कुछ आकर कहा था उस पर कुछ नहीं हुआ।

बैठक में तय किया गया कि पेंशनर्स के गोल्डन कार्ड से की जा रही कटौती को वापस करने हेतु शासन से पत्राचार किया जायेगा। बैठक में एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एल.डी.शर्मा, सदस्य आर. एस. रावत व सुमनलता कबड्वाल के पति आकस्मिक निधन पर दु:ख व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्माओं की शान्ति की प्रार्थना की गई।

बैठक में जी.सी.उप्रेती, उमेश चन्द्र जोशी, एन.बी.पन्त, के.सी.उपाध्याय, एच. एस. मेहरा, एल.के.दुस्सू, डी.एस.कठायत, सुनील साह, एलएस नेगी, के.एस.कार्की, के.एस.राठौर, मुन्नी थापा, चन्द्रकान्ता खोलिया आदि उपस्थित थे।

नाजुक पर्वत पारिस्थितिक तंत्र में शहरीकरण और विकास विषय पर सम्मेलन

परिक्रमा

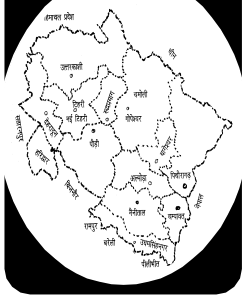

नैनीताल। डॉ.आर.एस.टोलिया प्रशासन अकादमी में नाजुक पर्वत पारिस्थितिक तंत्र में शहरीकरण और विकास विषय पर सम्मेलन में विषय विशेषज्ञों ने अस्थिर पर्वतीय पारिस्थितिकी, शहरीकरण की चुनौतियों और सुरक्षित भविष्य को लेकर अपने विचार रखे। दो दिन तक चले मंथन के बाद सुझाव शासन को भेजे गये हैं ताकि इन्हें नियोजन में शामिल किया जा सके।

उत्तराखण्ड सहित हिमालयी राज्यों में जनदबाव और बढ़ते पर्यटन के अनुरूप शहरी नियोजन पर मंथन के दौरान प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव इन्दु कुमार पाण्डे ने कहा कि हिमालयी राज्य समेत प्रदेश में हर स्थान की समस्या, पारिस्थितिकी अलग समस्या है। इसलिए सभी स्थान पर एक सिद्धान्त लागू नहीं किया जा सकता है। वर्तमान समस्या, वर्तमान हालात और भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप ही योजना बनानी होगी। समाधान व्यवहारिक रूप से करना होगा।

एटीआई महानिदेशक बी.पी.पाण्डे ने सम्मेलन में कहा कि बढ़ते शहरीकरण के कारण शहरी क्षेत्रों में चुनौतियां बढ़ती जा रही है। शहरी क्षेत्रों के साथ ही इससे लगे क्षेत्र में की आवश्यकताओं के अनुसार ढांचागत सुविधाओं का विकास नियोजन के साथ जरूरी है। उन्होंने उत्तराखण्ड के पर्यटन क्षेत्रों में पर्यटकों के बढ़ते दबाव को देखते हुए उसके पर्यावरणीय प्रभाव के अध्ययन की जरूरत बताई। सम्मेलन में मंथन के लिये प्रैक्टिस मैनेजर विश्व बैंक आभास झा, सचिव शहरी विकास दीपेन्द्र कुमार चौधरी, कोरिया के डॉ. सैंग क्योन ली, महानिदेशक आई सीमोड, नेपाल डॉ. पेमा ग्यामन्टो, अपर निदेशक शहरी विकास अशोक कुमार, नगर आयुक्त पंकज उपाध्याय समेत जापान, कोरिया, भूटान के प्रतिनिधि भी थे

सीएम धामी का खटीमा में फोकस

चम्पावत सीट होने के कारण लगातार हो रहे हैं दौरे और साधा जा रहा है निशाना

खटीमा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का फोकस अपने गृह क्षेत्र खटीमा में है। खटीमा से विधायक बनकर अपनी राजनीति उड़ान भरने वाले धामी को जब मुख्यमंत्री रहते खटीमा की जनता ने वोट नहीं दिये तो उपचुनाव में चम्पावत सीट से वह जीते। इसके बाद उनकी नाराजी भी झलक रही थी और कांग्रेसी नेता भुवन कापड़ी ने विधायक बनने के बाद से खटीमा में कांग्रेसी लहर बनाई। कई दिनों तक हलचल का केन्द्र बनबसा रहा और सीएम कार्यालय टनकपुर बनबसा सीमा पर बनाया गया था। इसके बाद धामी के चाहने वालों का दबाव रहा है कि वह खटीमा की ओर भी पूरी तरह रहें। इस समय सीएम का फोकस एकदम खटीमा में है और वह आते-जाते खटीमा में सम्पर्क हैं जिस कारण स्थानीय राजीति में कांटे की टक्कर है।

चम्पावत विधानसभा सीट से मिले प्यार के कारण सीएम पर सीमान्त क्षेत्र तक का दबाव भी है। ऐसे में वह नेपाल सीमा तक के तमाम दूरस्थ क्षेत्रों में दौरा कर चुके हैं। इसके अलावा उनके प्रतिनिधि बराबर सम्पर्क में हैं। ऐसे में यह तो स्पष्ट है कि वह भविष्य की राजनीति में चम्पावत सीट को ही पसन्द करेंगे। सीएम होने के कारण प्रशासनिक अमला भी उसी प्रकार से सतर्क है। ऐसे में बनबसा से लेकर मंच-तामली तक हर छोटे-बड़े कार्यों में मुख्यमंत्री दरबार की नज़र है।

बीते दिवस धामी ने खटीमा में 500 करोड़ रुपये से अधिक के मंजूर कार्यों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिये। ग्राम दिया में चार करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्माणाधीन गोशाला की प्रगति रिपोर्ट भी देखी। कंजाबाग रोड तिराहे के पास तराई बीज विकास निगम के मैदान में 4.11 करोड़ की लागत से रनिंग ट्रैक बनाए जाने की जानकारी भी दी।

महिला कलाकारों ने किया जोरदार रामलीला मंचन

पुनर्नवा महिला समिति के तत्वावधान में पहली बार हल्द्वानी में हुआ आयोजन

हल्द्वानी। पुनर्नवा महिला समिति द्वारा हीरानगर स्थित पर्वतीया उत्थान मंच मैदान में पहली बार महिला रामलीला का भव्य आयोजन किया गया। पूरी रामलीला का संचालन महिलाओं द्वारा ही किया जाना शानदार था। इसे लेकर शहर व आस-पास की कलाकार महिलाओं ने उत्साह दिखाया और अपनी-अपनी भूमिका में आकर आयोजन को सफल किया। रामलीला मंचन देखने के लिये भारी संख्या में दर्शक भी जुटे। हल्द्वानी में पहली बार इस प्रकार का प्रयोग हुआ है कि महिलाएं रामलीला करेंगी।

बताते चलें कि एक समय इस भाबर क्षेत्र में मुखानी की रामलीला प्रसिद्ध थी और पर्वतीय शैली की गीत नाट्य परम्परा की जोरदार रामलीला होती थी। जिसे देखने के लिये सैकड़ों की संख्या में लोग बैलगाड़ियों में तक आते थे। इसके अलावा भी रामलीला होने लगी। बाजार की मुख्य रामलीला को मेले का रूप दिया गया और पुतले आदि से दर्शकों को रिझाने का प्रयास किया गया। इसमें भी सब लोग श्रद्धापूर्वक जुटते थे। बाद के वर्षों में मुखानी का वह स्थान जहाँ रामलीला होती थी, घिर चुका है। रामपुर रोड की रामलीला भी सुस्त हो गई। बाजार की मुख्य रामलीला का आकर्षण सिर्फ आतिशबाजी का खेल बनकर रह गया है। पर्वतीय रामलीला के लिये ऊँचापुल, पीलीकोठी, शीशमहल, मुखानी में प्रयास जारी हैं। ऐसे में महिलाओं द्वारा रामलीला मंचन का प्रयास सराहनीय है। रामलीला मंचन के लिये महिलाओं और बालिकाओं ने कई दिनों तक तालीम की और मंच में आने से पहले इसकी भव्यता को लेकर चर्चा की गई। रामलीला मंचन के लिये पुनर्नवा महिला समिति की अध्यक्ष लता बोरा सहित तमाम जागरुक महिलाओं ने जगह-जगह सम्पर्क साधा और शहर में नाट्य मंचन से जागरुकता बढ़ी है। उम्मीद की जानी चाहिये कि इस प्रकार की गतिविधियां आगे भी जारी रहेंगी।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

खतेड़ा में ५ दिवसीय सतचूली महोत्सव

लोहाघाट। खतेड़ा में 5 दिवसीय सतचूली महोत्सव की धूम रही। मेला समिति के अध्यक्ष प्रधान महेन्द्र सिंह बोहरा के नेतृत्व में महिलाओं ने गाँव की देव स्थली में सतचूली मन्दिर तक कलश यात्रा निकाली। पुजारी दयानन्द चिलकोटी ने पूजा अर्चना करवाई। देवडांगरों के अवतरित होने पर भक्तों ने आशीर्वाद लिया। आयोजन के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां सराही गई।

सर्किल रेट विरोध में विधायक का घेराव

काशीपुर। जमीनों के सर्किल रेट बढ़ाये जाने से नाराज अधिवक्ताओं और केडीएफ पदाधिकारियों ने विधायक त्रिलोचन चीमा का घेराव किया। साथ ही सीएम को सम्बोधित ज्ञापन भी दिया। काशीपुर बार एसोसिएशन और काशीपुर डेवलपमेंट फोरम ने तहसील परिसर में एकत्रित होकर विधायक चीमा के शिविर कार्यालय तक जुलूस निकाला और कहा कि भूमि के क्रय-विक्रय का पंजीकृत करने के लिये निर्धारित सर्किल रेट में असामान्य बढ़ोत्तरी कर दी है।

रामगंगा नदी पर पुल को वित्तीय स्वीकृति

बागेश्वर। 5 वर्ष पूर्व आपदा में रामगंगा नदी पर बना झूला पुल ध्वस्त हो गया था। पिथौरागढ़-बागेश्वर की सीमा पर इस पुल को बनाने के लिये वित्तीय स्वीकृति मिली है। प्रथम चरण के लिये 25 लाख रुपये मिले हैं। कपकोट के महरगाड़ घाटी में 2018 की बरसात में यह पुल बह गया था। इस पुल को लेकर खूब राजनीति होती रही।

वन रैंक वन पेंशन की मांग पर प्रदर्शन

रामनगर। पूर्व सैनिक उत्थान एवं कल्याण समिति ने वन रैंक वन पेंशन की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। लखनपुर से रानीखेत रोड, नगर पालिका रोड और खताड़ी होते हुए एसडीएम कार्यालय पहुँचे जुलूस ने नारेबाजी की। समिति के अध्यक्ष कुलवन्त सिंह रावत ने प्रधान मंत्री और रक्षा मंत्री के नाम सम्बोधित ज्ञापन प्रेषित करतेह हुए कहा कि वन रेंक वन पेंशन में अभी भी कई विसंगतियां हैं जिससे पूर्व सैनिक व वीर नारियां खुश नहीं हैं।

गंगोलीहाट : डामरीकरण की मांग

गंगोलीहाट। विकासखण्ड सभागार में आयोजित तहसील दिवस में 38 लोगों की शिकायतें दर्ज हुई। इसमें मुख्य रूप से सड़कों के डामरीकरण की मांग थी। सीडीओ वरुण चौधरी की अध्यक्षता में हुए तहसील दिवस पर कई समस्याओं का मौके पर समाधान किया गया। अन्य समस्याओं के समाधान के लिये निर्देश दिये गये। शंकर सिंह बोरा, गिरधारी लाल ने डामरीकरण की मांग उठाई। बैठक में आर्थिक मदद, पक्के आवास दिलाने की गुहार भी लगाई गई।

भिटोली का उपहार : अल्ट्रासाउंड की सुविधा

मुनस्यारी स्वास्थ्य केन्द्र में सेवा शुरु

मुनस्यारी। जिपंस जगत मर्तोलिया ने सीमान्त विकास खण्ड मुनस्यारी की बहिनों को विशेष रूप से भिटोली के महिने में आठ साल के बाद अल्ट्रासाउण्ड की सुविधा का भिटोला दिया। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में यह सेवा शुरू हो गई है। सीमान्त की बहिनों के साथ जन सामान्य को यह सुविधा माह में एक दिन स्वास्थ्य विभाग उपलब्ध करायेगा।

सीमान्त क्षेत्र से 135 से लेकर 215 किमी की दूरी तय कर गर्भवती महिलाओं सहित सीमान्त क्षेत्र वासियों को यह सुविधा जिला मुख्यालय पिथौरागढ़ में उपलब्ध होती थी। महिला अस्पताल पिथौरागढ़ में गर्भवती महिलाओं को अल्ट्रासाउण्ड करने में भारी दिक्कत होती थी। भारी भीड़ तथा सुदूरवर्ती क्षेत्रों से पहुँचने में देरी होने के कारण सीमान्त क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं को एक अल्ट्रासाउण्ड करने में कभी दो दिन तो कभी प्राइवेट सेवा में रुपये चुकाने पड़ते थे।

इस परेशानी से रूबरू होते ही जिपंस जगत मर्तोलिया ने विकास खण्ड मुनस्यारी की गर्भवती महिलाओं के लिए सोमवार तथा धारचूला के लिए मंगलवार का समय आरक्षित करवाया। इन दिवसों को इन क्षेत्रों से जाने वाली महिलाओं को सबसे पहले अल्ट्रासाउण्ड करने का अवसर मिला। जिससे समय तथा आर्थिक नुकसान से बहिनों को राहत मिली।

जिला पंचायत पिथौरागढ़ की बैठक में विकास खण्ड मुनस्यारी की महिलाओं के लिए अल्ट्रासाउण्ड की सुविधा उपलब्धा कराने की मांग को जिपंस ने बार-बार उठाया। मुख्य चिकित्साधिकारी डा. ह्यांकी ने इस समस्या को गम्भीरता से लिया। सीएमओ डा. वाई. एस. ह्यांकी की पहल पर मुनस्यारी की गर्भवती महिलाओं को माह में एक दिन नि:शुल्क अल्ट्रासाउण्ड सुविधा उपलब्ध कराने पर सहमति बनी। जिससे गर्भवती महिलाओं के साथ ही सीमान्त क्षेत्र के सामान्य मरीजों को भी यह सुविधा उपलब्ध करा दी है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मुनस्यारी में मर्तोलिया ने इस सेवा का विधिवत उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि हमारी बहिनों सहित सीमान्त क्षेत्र के नागरिकों को अल्ट्रासाउण्ड सुविधा के लिए जिला मुख्यालय की दौड़ नहीं लगानी होगी। उन्होंने कहा कि माह में एक दिन कम है, लेकिन नहीं से कुछ है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुविधा में विस्तार के लिए इस तरह के प्रयास आगे भी किए जाएंगे।

जिपंस जगत मर्तोलिया ने इस सेवा के शुरू होने के लिए जिला अधिकारी रीना जोशी, मुख्य विकास अधिकारी वरुण चौधरी के साथ ही मुख्य चिकित्साधिकारी डा. एचएस ह्यांकी का सीमान्त क्षेत्र की जनता की ओर से आभार व्यक्त किया।

प्रभारी चिकित्साधिकारी डा. गौरव कुमार ने बताया कि गर्भवती महिलाओं तथा भर्ती मरीजों के लिए अल्ट्रासाउण्ड की सुविधा नि:शुल्क है। वहीं अन्य मरीजों को उसका सरकारी दर के मुताबिक 570 रुपए यूजर चार्ज देना होगा।

उन्होंने कहा कि यह सुविधा गर्भवती महिलाओं के साथ सीमान्त वासियों के लिए वरदान से कम नहीं है। उन्होंने बताया कि यह सुविधा प्रत्येक माह के एक दिन अस्पताल में उपलब्ध रहेगी। जिसका व्यापक प्रचार प्रसार किया जाएगा। इस अवसर पर हरकोट के पूर्व प्रधान खुशाल सिंह जेष्ठा, सामाजिक कार्यकर्ता प्रमोद कुमार द्विवेदी आदि मौजूद रहे। आशा फैसिलेटर तथा आशा कार्यकर्तीओं ने कैम्प को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

स्थानीय लोगों में खुशी

आठ साल के बाद मुनस्यारी में अल्ट्रासाउण्ड की सुविधा उपलब्ध होने से प्रसन्नचित स्थानीय लोगों ने भी टीम के सहयोग के लिए हाथ बढ़ाया है। पाण्डे लाज के स्वामी पूरन पाण्डे तथा मुख्यमंत्री के नोडल अधिकारी केदार सिंह बृजवाल ने अपने परिवार के प्रतिष्ठान बिल्जू इन की ओर से भोजन की सुविधा उपलब्धा कराया, जो हर माह कैम्प के समय जारी रहेगा।

सम्मानित किया

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने आठ साल बाद यहाँ पहुँचे अल्ट्रासाउंड टीम के सदस्य रेडियोलोजिस्ट डा. शैलेन्द्र कुमार तथा महादेव डाइग्नोसिस सेन्टर पिथौरागढ़ के पवन शर्मा सहित समस्त स्टाफ को जोहारी टोपी तथा शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि हम सीमान्त की सेवा करने वालों का हमेशा सम्मान करते है। यह सीमान्त की परम्परा है।

आभार प्रकट किया

भाजपा मण्डल अध्यक्ष डॉ.दुर्गा प्रसाद ने सीएम पुष्कर सिंह धामी, स्वास्थ्य मंत्री धनसिंह रावत, डीएम व सीएमओ का आभार प्रकट किया है। मण्डल अध्यक्ष ने कहा कि फरवरी माह में सीएम को ज्ञापन दिया था जिसको उन्होंने विचार किया। इसके लिये शुरुआत में ही 65 रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं।

जाम से मची है आफत

कैंची धाम में तांता, सड़क पर चलना बेहाल

नैनीताल। भवाली-अल्मोड़ा मार्ग पर कैंची धाम के पास जाम से यात्रियों को बेहद असुविधा हो रही है। पुलिस और प्रशासन ने बहुत दावे किये हैं और कैंची के पास पार्किंग की बात खूब प्रचारित हुई है लेकिन व्यवहार में जो दिखाई दे रहा है वह त्रस्त करने वाला है। सड़क से लगे कैंची धाम में पहले जून में एक दिन ही मेले के अवसर पर जाम होता था लेकिन अब प्रतिदिन के जाम से परेशानी होने लगी है। बढ़ती जा रही भीड़ भी दाएं-बाएं वाहन लगाकर कैंची धाम दर्शन के लिये जाती है और यहाँ दुकानों पर चाय-नाश्ता के लिये जाने वाले भी अपने वाहन सड़क के पास लगाते हैं। यदि एक भी वाहन टेड़ा लग जाए तो समझा जा सकता है कि पहाड़ में दोनों ओर से चलने वाले ट्रैफिक का क्या हाल होगा। फिर भवाली-अल्मोड़ा का हाईवे बहुत ही व्यस्त मार्ग है। इसमें हर समय छोटे-बड़े सैकड़ों वाहन गुजरते हैं। यह भी देखने में आया है कि बाहर से आने वाले कई चालकों को पहाड़ में वाहन चलाने की आदत नहीं होती है और वह ऐसे स्थानों पर आकर दूसरों के लिये भी दुविधा करते हैं। इस प्रकार के जाम से छुटकारा पाया जा सकता है, बसर्ते पुलिस सख्त से सड़क पर वाहन खड़े होने से रोके और बाहर से आने वाले यात्रियों को पहले ही पार्किंग के लिये सचेत कर दिया जाए। आस-पास के चाय-नाश्ता-ढाबा वालों को भी सहयोगी बनना होगा।

राज्य सूचना आयुक्त ने किया निरीक्षण

सूचना अधिकार की अपील हल्द्वानी में भी होगी

हल्द्वानी। सूचना के अधिकारी की अपील के लिये आने वाले समय में हल्द्वानी में भी सुविधा हो जायेगी। इससे देहरादून तक की दौड़ से राहत मिलेगी। आयोग का क्षेत्रीय कार्यालय और वीडियो काफ्रेंसिंग सुविधा हल्द्वानी में होगी। इसके लिये राज्य सूचना आयुक्त अनिल चन्द्र पुनेठा ने हल्द्वानी तहसील में प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण भी किया है।

राज्य सूचना आयुक्त के अनुसार सरकार ने निर्णय लिया है कि हल्द्वानी में वीसी के माध्यम से लोगों की सुनवाई हो। भविष्य में राज्य सूचना आयोग का क्षेत्रीय कार्यालय हल्द्वानी में स्थापित किया जाए। इसके लिये शासन को प्रस्ताव भेजा जायेगा। राज्य सूचना आयुक्त ने सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के अन्तर्गत तहसीलों में अभिलेखों के रखरखाव की स्थिति को देखा। उन्होंने कहा कि लोकतन्त्र की मजबूती में सूचना का अधिकार का मजबूत होना जरूरी है। इसके लिये सभी विभागीय लोक सूचना अधिकारी सकारात्मक भाव रखते हुए दायित्वों का निर्वहन करें।

देवराणा महापंचायत के निर्णय

नौगाँव। गढ़वाल के नौगाँव प्रखण्ड के देवराणा घाटी के 33 गाँवों की महापंचायत में भी शादी समारोह में शराब और डीजे पर प्रतिबन्ध लगा दिया गया है। विशाल मणि डोभाल की अध्यक्षता में धारी गाँव के पंचायत भवन में आयोजित बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई और तय किया गया कि विवाह समारोह या अन्य आयोजनों में शराब परोसने व डीजे पर रोक करेंगे। न मानने वाले का बहिष्कार व अर्थदण्ड लिया जायेगा। क्षेत्रीय परम्परा अनुसार शादी समारोह में मामा पक्ष द्वारा मात्र एक बकरा देने का निर्णय लिया गया।

सड़क के लिये ग्रामीणों का प्रदर्शन

लोहाघाट। बाराकोट मुख्यमार्ग से खलकीना वीरता तोक तक सड़क निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। कहा कि उन्हें ढाई किमी की ऊबड़-खाबड़ चढ़ाई पैदल पार करनी पड़ती है। बीमारों को अस्पताल ले जाने, स्कूली बच्चों को आने-जाने, गाँव से सब्जियां बाजार तक ले जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांग नहीं मानी गई तो आगामी लोकसभा चुनाव का बहिष्कार किया जायेगा।

व्यापारियों ने किया ट्रेड शुल्क का विरोध

नैनीताल। नगर पालिका की ओर से शहर में 129 ट्रेड में लाइसेंस शुल्क लगाने के विरोध में व्यापारियों ने सभा की और प्रदर्शन कर रोष जताया। बाजार में जुलूस निकालते हुए व्यापारियों ने कहा कि व्यापारियों पर आर्थिक बोझ डालने के बजाय पालिका निजी वसूली व संसाधनों को बढ़ाए। यदि नगर पालिका ने मांग नहीं मानी तो यह आन्दोलन जारी रहेगा। प्रदर्शनकारियों में व्यापार मण्डल अध्यक्ष किशन नेगी, सचिव त्रिभुवन फर्त्याल सहित तमाम व्यापारी थे।

पूर्णागिरी मेले में भीड़ और भण्डारा

टनकपुर। उत्तर भारत के प्रसिद्ध पूर्णागिरी मेले में इन दिनों जबर्दस्त भीड़ जुटी हुई और बाहर से आने वाले श्रद्धालु भण्डारे का आयोजन भी कर रहे हैं। पैदल यात्रियों की भीड़ के अलावा यात्री वाहन, ट्रेन से भी हजारों की संख्या में लोग पूर्णागिरी दर्शन का आ रहे हैं।

रेलवे अतिक्रमण मामले में दस्तावेज

हल्द्वानी। रेलवे भूमि अतिक्रमण मामले में दो लोगों ने नगर निगम में अपने दस्तावेज जमा करते हुए भूमि पर अपना दावा पेश किया है। नगर निगम दस्तावेजों की जाँच कर प्रशासन को अपनी रिपोर्ट देगा। डीएम धीराज गर्ब्याल ने रेलवे भूमि मामले में सुप्रीम कोर्ट में चल रहे केस का हवाला देते हुए विज्ञप्ति प्रकाशित की थी। इसके बाद दो लोगों ने अपनी ओर से दस्तावेज जमा कर दावा किया है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

ग्रीष्मकालीन पर्यटन, धार्मिक यात्रा सीजन में हार्दिक शुभकामनाएं-

टी.एस. वृजवाल

(सेवा. सीडीओ)

ग्राम- छड़ायल

सुयाल

हिमालयन

कलौनी

पो.पश्चिम

मानपुर

हल्द्वानी

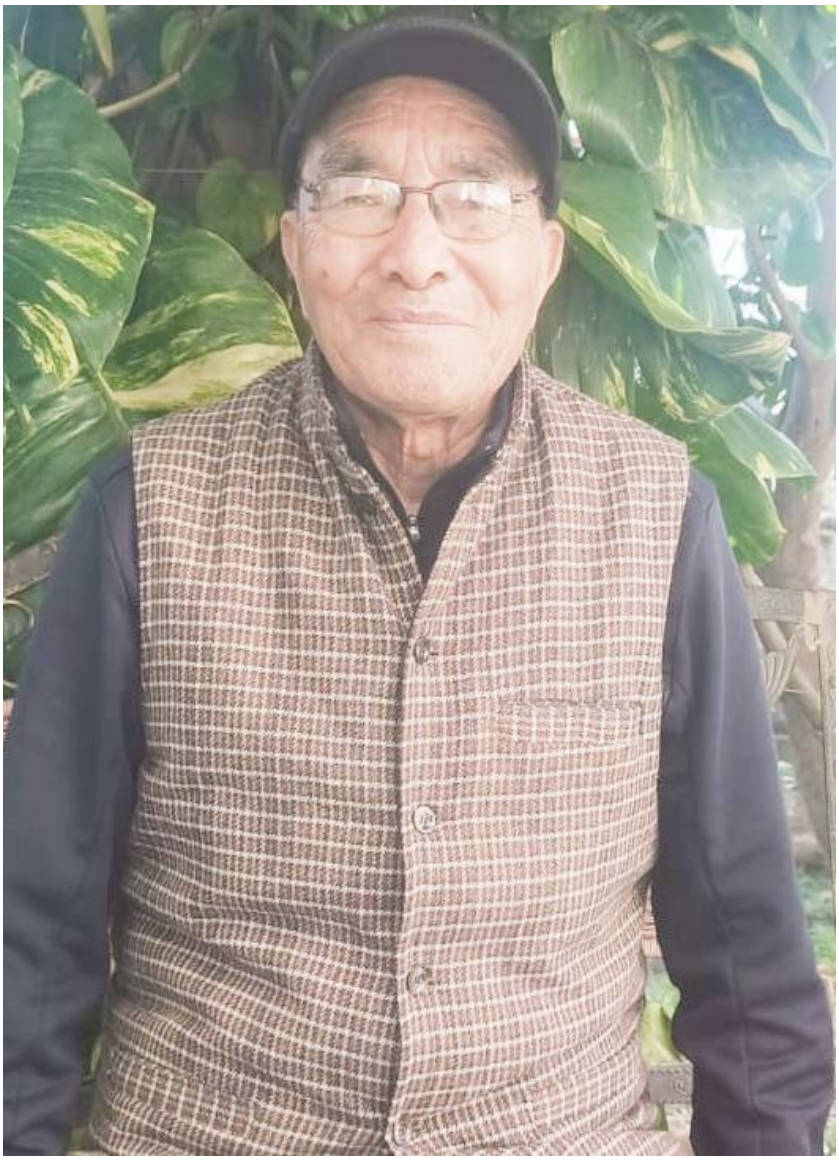

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारात घर
नानासेम, मुनस्यारी

गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
मुनस्यारी
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल एवं जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236
8958525979, 9411134775

Hotel Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

Enjoy Beauty of Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148
www.mountainheights.in

MARTOLIA FURNITURE
A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi
Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

सप्ताह के पर्व

बैशाख कृष्ण पक्ष
20 अप्रैल- अमावस्या
22 अप्रैल- परशुराम जयन्ती
1 मई- मोहनी एकादशी व्रत
4 मई- नरसिंह जयन्ती

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी (नैनीताल) से मुद्रित।
सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती
फोन/फैक्सः (05946) 264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014, 9410713075,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com
पत्र व्यवहार के लिये पते-
जे0के0पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)